5499,

राधा स्तूडी संचिव उत्तरांचल शासन।

रवा में

निदेशक, समाज कल्याण, उत्तरांघल, इल्ह्वानी (नैनीताल)। 2

समाज क स्याण अनुभाग-1

देहरादूनः दिनाकः ०६ फरवरी, 2006

िषयः समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत अनुसूचित जनजाति के छात्रो हेतु संचालित 14 राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में कम्प्यूटर शिक्षा प्रारम्भ करने हेतु धनराशि का आबंटन।

म्होदय,

उपर्युवत विषयक के क्रम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय समाज कल्याण निर्माण के अन्तर्गत अनुसूचित जनजाति के छात्रों हेतु संचालित 14 राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में कम्प्यूटर विद्या प्रारम्भ करने हेतु पूर्व आबंटन के अतिरिक्त सलग्न बी.एम.—15 में उल्लिखित विवरणानुसार अनुदानान्तर्गत पालब्ध बचतों से पुनर्विनियोग हारा रू. 60,98,000 (रूपये साठ लाख अठानबे हजार मात्र) की धनराशि चालू जिलीय वर्ष 2005—06 में व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

२─ उक्त आयंटित धनराशि किसी ऐसे गढ पर व्यय करने से पूर्व विलीय हस्त पुरिसका / यजट मैनुवल के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त

रके ही किया जाये।

अम्प्यूटरों का क्रय सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा जारी दिशा—निर्देशों के अनुसार तथा फर्नीचर आदि का ाय स्टोर पर्वज रूल्स एवं शासन के विद्यमान नियमों/आदेशों का पालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।

मिलथ्यस्था के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से पालन किया जाये।

 अप्रयुक्त धनराशि बजट मैनुअल के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समित किया जाना र निश्चित किया जाये।

E— यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि जिस प्रकार प्रशिक्षण इन्टेल आदि द्वारा शिक्षा विभाग के संचालित ियालयों में दिया जा रहा है, उसी प्रकार प्रशिक्षक—प्रशिक्षण भी निर्धारित कर लिया जाये तथा पाठ्यक्रम भी

म्दनुसार ही रखा जाये।

इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू बित्तीय वर्ष 2005-2006 के आय-व्ययक के अनुदान सख्या-31 तेलाशीर्षक "2225-अनुसूचित जातियाँ, अनुसूचित जनजातियाँ तथा अन्य पिछड़े वर्गी का कल्याण-(2-अनुसूचित जनजातियाँ का कल्याण- 277-शिथा-आयोजनागत- 04-अनु, जनजातियाँ के लिए राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयाँ का रख-रखाव- 00- के मानक मद- 46-कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफटवेयर का क्रय में सुसगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला आएगा तथा संलन्न पुनर्विनिधोग के कॉलम-1 की बचताँ से वहन किया आयेगा।

ाप्त उनकी सहमित से जारी किये जा रहे हैं 🛴 🐧

न्लग्न यथोपरि ।

भवदीय.

(राधा रतूड़ी) सचिव

सन्था २ ३ (11 / XVII(1) / 06 - 10 (06) / 2006 / तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नाकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेत् प्रेषित -

- 1. महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2 निजी संचिय, मां। मुख्यमंत्री, चलारांचल।
- निवेशक, कोधागार एवं वित्त सेवारों, उत्तराचल, देहरादून।
- कोषाधिकारी, हल्द्वानी (नैनीताल)।
- समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी उत्तराचल।
- चित्त (यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
- 🗾 निदेशक, एन. आई. सी., सचिवालय परिसर, देहरादून।
 - शिदेशक, विद्यालयी शिक्षा, मयूर विहार, सहस्रधारा रोड, देहरादून।
 - १ गार्ड फाईल।

		१४-५न्य वस्य १४-५न्थ स्थाप के स्थापना २०-सर्थायक अनुषान / अगदान /		28- पर्वाणे संख्या / उपकारण	वेअवस्थापना सुविधाओका विकास ३०—सारायक अनुसन् / अगदान /	ा-अनुसारितज्ञानाती साहन्य अर्था	०2-अत्याचार्यसे खल्मीकेशअनुसूरिका जनस्मितियाँ की सहत्यका 20-सहायक अनुसन्न / अजदान / शांत महायका ६८०० १०-एकेरमुक वानकाति विकास	्रयान सहायक अनुदान असदान २०० सहायक अनुदान असदान	अनु हत् । आक्रीकनाणः ११२५ अनुसारिया अनुसन्धारियाः तथा अन्य पिछक् वर्गाः कः प्रत्याण १८-अनुसार्थत् सम्बत्तियाः हा कल्याण १९६ जन्यामे स्ट्रिय स्ट्रा क अत्तन्थाम स्ट्रियास्य के	, k	सम्बद्धः इत्येदानं १४व
T & 10 3 - 157-2	, ,	1 ()		ı	1	4	.6		2	माना अस्टार व्यास
त्र से स्टब्स्ट के ज्ञान सेट-प्रवृत्ति सेटन दुन	3105	1 1	I		ı	600	2505	ŧ		La	हित्तीय दर्व ज जंग अजही म अनुमातिस म
क्षांसन थ) अनुभाग - 3 XVII(3)/2006 03 परवरी 2006 पुनर्विनिय (एल.	6465	100	0014	-	170	1100	2499	550		g,	अवस्थ धनराजि
	414 60%							का क्या क्या कार्यार / साकटवेयर	अनुस्त-१। अस्ते जनान २२२५-अनुस्तितिके,अनुसन्तिनित्ते सम्बद्धाः अनुस्तितिक अस्ति सा सम्बद्धाः १८-अनुस्तिति अनुस्ति के स्ति स्तर्वाति १८-अन् अनुस्तिति के स्ति स्तर्वाति	ы	सेखा शहरू विसन धनराहि स्थानातीस्य क्षिक्त जन्म है
भित्र स्वीकृत । भित्र स्वीकृत ।	6198							6198		6	पुनविश्वितान के बाद शतका द की बहुत धनकारित
(राधा रतूडी) समाज कल्याण	3105					600	2505			7	धुन्तवीनयोग के ताद अवशेष धनकारी (स्तम्ब-१ वे)
									विभाग द्वारा सर जनजाति आश्रम विद्यालयां भे कप्प्यूटर प्रदान करने तेतु विद्यालय में कप्पूटर जी स्थापना के धारस्यों क्यापना के		अभ्याकेत

(धनराशि हजार ६० मे)